पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद तिवाड़ी का देहांत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिड़यारी गाँव पहुँचकर तिवाड़ी को पुष्प चक्र अर्पित किया

भरतपुर 3 अक्टूबर, (निस)। राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे गिर्राज प्रसाद तिवारी का शुक्रवार को 105 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से राज्य में शोक की लहर दौड़ गई। बयाना के गांव बिड्यारी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। स्थानीय लोगों के अलावा, राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने तिवारी की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित किया। उनके साथ राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी भी मौजूद थे।

इस अवसर पर राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, विधायक बहादुर सिंह कोली, डॉ. ऋतु बनावत, जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा, पूर्व जिला अध्यक्ष गिरधारी तिवारी, आलोक शर्मा, वैर विधायक बहादुर सिंह कोली, पूर्व सांसद रंजीता कोली, पूर्व सांसद पंडित रामकिशन, पूर्व डिप्टी मेयर गिरीश चौधरी, व्यापारी संगठन अध्यक्ष संजीव गुप्ता, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा, सतीश सोगरवाल, योगेश सिंघल, दयाचंद पचौरी, विवेक कल्ला, दौलत फौजदार, जनप्रतिनिधि, परिजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता गिर्राज प्रसाद तिवारी की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

- **एक सौ पाँच वर्षीय तिवाड़ी को अंतिम विदाई देने वित्त आयोग अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, विधायक बहादुर सिंह कोली, डॉ. ऋतु बानावत, पूर्व सांसद, पंडित रामकिशन शर्मा, रंजीता कोली सहित बड़ी संख्या में राजनेता, व्यापारी व सामाजिक संगठन के पदाधिकारी पहुँचे।**

सन् 1920 में जन्मे गिर्राज प्रसाद तिवारी ने अपने कैरियर की शुरुआत वकालत से की। कानून की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और जनसेवा को जीवन का लक्ष्य बनाया।

भरतपुर में प्रधान और जिला प्रमुख रहते हुए उन्होंने समाज की सेवा की। इसके बाद वे दो बार विधायक चुने गए और जनता की आवाज़ को मजबूती से विधानसभा तक पहुंचाया। गिर्राज प्रसाद तिवारी का सबसे अहम् कार्यकाल 1985 से 1990 तक रहा, जब वे राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष बने।

भगदड़ कांड में हाईकोर्ट ने विजय को फटकारा

मदुरै, 03 अक्टूबर। मद्रास हाईकोर्ट ने करूर भगदड़ के मामले में टीवीके नेताओं को जमकर फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि पार्टी के मुखिया विजय भगदड़ के बाद मौके से फरार हो गए और पार्टी ने इस पर दुख तक जाहिर नहीं किया। इससे उनकी मानसिकता का पता चलता है। करूर में विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद सीएम एमके स्टालिन मौके पर पहुंचे थे और पीड़ितों से मिले थे। इसके बाद उन्होंने मुआवजे का ऐलान किया था।

मद्रास हाईकोर्ट के मदुरै पीठ ने कहा कि प्रशासन विजय के प्रति नरमी बरत रहा है। पीठ ने घटना की जांच के लिए आईपीएस अधिकारी असरा गर्ग की अगुआई में एक एसआईटी के गठन का आदेश दिया और टीवीके नेता बुस्सी आनंद और सीटीआर निर्मल कुमार द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित रखा।

मुख्यमंत्री ने सूरत में "प्रवासी राजस्थानी मीट" की तैयारियों के निर्देश दिए

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राजस्थानी उद्यमियों के साथ सैक्टर मीटिंग आयोजित करें

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 8 अक्टूबर को सूरत के इस आयोजन से प्रदेश में होटल, खनन व फार्मा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा मिलेगा।**

जयपुर, 3 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुजरात के सूरत में आगामी 8 अक्टूबर को प्रस्तावित 'प्रवासी राजस्थानी मीट' के आयोजन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों को प्रवासी राजस्थानी मीट के आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने प्रवासी राजस्थानी उद्यमियों एवं निवेशकों के साथ सेक्टर मीटिंग के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रवासी राजस्थानी मीट से प्रदेश में होटल, खनन, फार्मा जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण बैठकों से संबंधित पूर्व तैयारियां समय से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में प्रदेश के प्रमुख सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थलों की प्रवासी राजस्थानियों को जानकारी दी जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं संबंधित विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

एयर चीफ मार्शल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार करने वाला ऑपरेशन माना जा रहा है। अगस्त में भी वायुसेना ने पुष्टि की थी कि ऑपरेशन सिंदूर में जेकबाबाद और भोलारी जैसे पाक एयरबेस पर मिसाइल हमलों के जरिए व्यापक नुकसान पहुँचाया गया।

एयर चीफ मार्शल ने पाकिस्तान के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया कि पाक ने भारत के राफेल सहित, 6 सैन्य विमानों को गिराया है। एयर चीफ ने कहा कि यह केवल झूठा प्रचार है, जिसका उद्देश्य केवल पाकिस्तान के नागरिकों को गुमराह करना है।

उन्होंने कहा, "पाक ने कोई प्रमाण नहीं दिया है कि उन्होंने भारतीय विमानों को गिराया है। ये केवल दावे हैं, सच नहीं।"

एयरफोर्स प्रमुख ने यह भी स्पष्ट किया कि 10 मई को हुई युद्ध बंदी पाकिस्तान के अनुरोध पर हुई, न कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यस्थता के कारण। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान ने हमसे युद्धविराम की अपील की, क्योंकि उन्हें समझ आ गया था कि अगर संघर्ष जारी रहा, तो उन्हें और बड़ा नुकसान झेलना पड़ेगा।"

उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी ने जून 17/18 को ट्रंप से फोन पर स्पष्ट कर दिया था कि भारत किसी तीसरी पक्ष की मध्यस्थता को नहीं मानता और यह युद्धविराम भारत के सैन्य दबाव के कारण, पाकिस्तान की ओर से की गई अपील के कारण हुआ।"

"आई लव मोहम्मद" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गर्म कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, मौलाना तौकीर रज़ा ख़ान को ऐसा सबक सिखाएंगे, जिसे वे कभी नहीं भूल पाएंगे।

उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि प्रदेश में भाजपा की सरकार है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भी इस विवाद में कूद पड़े हैं और अभियान का समर्थन किया है। माना जा रहा है कि इस विवाद का असर बिहार के सीमांचल क्षेत्र की सीटों पर ओवैसी की पार्टी को चुनावी फायदा पहुँचा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि मौलाना रज़ा ख़ान को अक्सर उत्तर प्रदेश का ओवैसी कहा जाता है, क्योंकि उनके बयानों और कार्रवाइयों ने कई बार सांप्रदायिक विभाजन को गहरा किया है, जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा को विधानसभा और लोकसभा चुनावों में मिला है। 2010 में जब मौलाना जेल में थे, तो बताया जाता है कि एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने उनकी ज़मानत करवाने में मदद की थी।

मौलाना का भाजपा नेता संतोष गंगवार से भी करीबी रिश्ता बताया जाता है, जो 2024 तक कई बार बरेली से लोकसभा सांसद रहे। भाजपा के पूर्व सांसद और सपा नेता प्रवीण सिंह अरोन ने आरोप लगाया है कि कानपुर और बरेली में जो कुछ हुआ, उसके पीछे भाजपा ही थी।

कश्मीर में बर्फ गिरी

श्रीनगर, 03 अक्टूबर। कश्मीर के पहाड़ों पर शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई तथा मौसम विज्ञान केन्द्र ने अगले तीन दिनों में मैदानी इलाकों में व्यापक बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का अनुमान जताया है।

इसके प्रभाव में 4 अक्टूबर की शाम से 7 अक्टूबर तक एक पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है। गुलमर्ग में बर्फबारी होने के बाद सोनमर्ग, गुरेज घाटी और अन्य ऊँचे इलाकों में मौसम की पहली भारी बर्फबारी होने की संभावना है।

भूगोल में रहना है या नहीं, आर्मी चीफ ने पाक को खुली धमकी दी

- **सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा अगर अब पाकिस्तान ने कुछ भी किया तो भारत ऑपरेशन सिंदूर जैसा संयम नहीं दिखाएगा।**
- **आर्मी चीफ ने श्रीगंगा नगर जिले के अनूपगढ़ में सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप तैयार रहिए भगवान ने चाहा तो जल्दी ही दूसरा मौका मिलेगा।**

श्रीगंगानगर, 03 अक्टूबर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में शुक्रवार को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान विश्व मानचित्र पर अपनी जगह बनाए रखना चाहता है, तो उसे अपनी धरती पर आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद करना होगा। जनरल द्विवेदी ने सैनिकों को संबोधित करते हुए यह स्पष्ट किया कि भारत अब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाए गए संयम को दोहराएगा नहीं।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पूरी दुनिया को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के सबूत दिए। उन्होंने बताया कि यदि भारत ने ये सबूत उजागर नहीं किए होते, तो पाकिस्तान इन तथ्यों को छिपा लेता। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के भीतर नौ लक्ष्यों पर हमला किया, जिनमें से सात सेना ने और दो वायुसेना ने नष्ट किए। जनरल द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि भारत का उद्देश्य केवल आतंकियों को निशाना बनाना था, न कि आम पाकिस्तानी नागरिकों को नुकसान पहुंचाना।

सेना प्रमुख ने सैनिकों से पूरी तरह तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि अब अपने आप को पूरी तरह तैयार रखें, यदि भगवान ने चाहा, तो मौका जल्द आएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत इस बार पहले जैसा संयम नहीं दिखाएगा और ऐसी कार्रवाई करेगा, जो पाकिस्तान को अपनी स्थिति पर विचार करने के लिए मजबूर कर दे।

जनरल द्विवेदी ने सीमा पर रहने वाले लोगों के बारे में कहा कि भारत इन लोगों को आम नागरिकों के बजाय सैनिकों के रूप में देखता है।

सोनम वांगचुक की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। लद्दाख को अलग राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद उन्हें 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। इस प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी। दशहरा की छुट्टियों के कारण शीर्ष अदालत में फिलहाल छुट्टी है। अदालत छह अक्टूबर को खुलने के बाद इस मामले में अदालती कार्रवाई शुरू हो सकती है।

'दो साल तक के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहिये। आम तौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों को ये दवाइयां नहीं दी जाती हैं। पांच साल से अधिक उम्र के लोगों को भी ये दवाएं देने से पहले सावधानी पूर्वक जांच की जानी चाहिये और खुराक की उचित मात्रा ही दी जानी चाहिये। डीजीएचएस ने कहा है कि ये दवायें कम से कम समय के लिए दी जानी चाहिये और उसके साथ कई दवाएं नहीं दी जानी चाहिये।

डीजीएचएस सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों को इस परामर्श के बारे में अवगत करायें।

अब तक रूस की सीमा से ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओर उठ रही है। लेकिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बार-बार इन आरोपों का मजाक उड़ाया है और कहा है कि ये पश्चिमी यूरोपीय देशों की साजिश है।

असल समस्या यह है कि किसी भी गुप्त आक्रामक कार्रवाई में रूस की सीधी संलिप्तता साबित करना निश्चित रूप से बेहद कठिन है। जिन देशों ने ये परेशानियाँ झेली हैं, उनमें से कोई भी अब तक कोई ठोस सबूत नहीं दे पाया है। तथापि, इसके बावजूद पश्चिमी देशों में गुप्त युद्ध की धारणा गहरी है और माना जा रहा है कि यूक्रेन युद्ध के दबाव के कारण, रूस बदला लेने और पश्चिमी यूरोप में डर पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

पूरे यूरोप में इन छुटपुट घटनाओं के परिणामस्वरुप असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। कथित रूसी एजेंटों द्वारा बार-बार किए जा रहे इन व्यवधानों के कारण पश्चिमी यूरोप अनिश्चितता और लाचारी में घिरा है। अमेरिका भी खास मददगार नहीं रहा है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप यूरोपीय हवाई क्षेत्र और सीमाओं में इन घुसपैठों को हल्के में लेते रहे हैं।

असलियत यह है कि पश्चिमी यूरोप के किसी भी देश के पास रूस के खिलाफ कोई ठोस रोकथाम का उपाय नहीं है। रूस के खिलाफ कड़े बयानों के बावजूद, हर देश अपने तथाकथित साझा बचाव तंत्र को लेकर संशय में है।

यूरोप की एक प्रभावशाली आवाज़, जिसे लंदन की पत्रिका "द इकॉनमिस्ट" ने सामने रखा है, पश्चिम से यह आग्रह कर रही है कि वह रूस के खिलाफ अपनी रोकथाम की नीति स्पष्ट व कड़े शब्दों में लागू करे, ताकि रूसी भालू अपनी सीमा से लगे देशों पर पंजा न मार सके। पत्रिका का कहना है कि यदि अभी कदम नहीं उठाए गए तो रूस को और अधिक घुसपैठ करने और अंततः कुछ रूसी भाषी अल्पसंख्यकों के साथ जमीन के बड़े हिस्से पर कब्जा करने का साहस मिलेगा।

ऐसी जबरदस्त घुसपैठ और विध्वंसकारी गतिविधियों के बीच, जबकि रूस बार-बार सीमा उल्लंघन और छुपे हमले कर रहा है, राष्ट्रपति पुतिन इस साल के अंत में भारत आने वाले हैं। उन्होंने कहा है कि वे अपने मित्र, भारत के प्रधानमंत्री से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऐसे में, जबकि पुतिन इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट द्वारा अपने खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट के कारण अपने देश से बाहर नहीं जा सकते, तो भारत की यह यात्रा उनके देश के बाहर की दुर्लभ यात्राओं में से एक होगी।

शायद भारत के पास पुतिन का स्वागत करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है, भले ही इसके कारण पश्चिम उससे नाराज हो। खासकर तब, जबकि राष्ट्रपति ट्रंप के मनमौजी रवैये और रूस से तेल खरीदने पर भारत को दंडित करने की कोशिशों ने भारत के सामने और कोई रास्ता नहीं छोड़ा है।

पुतिन ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसा कोई फैसला नहीं लेंगे।

राष्ट्रपति ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि रूस के भारत जैसे व्यापारिक सहयोगियों पर अगर उच्च आयात शुल्क लगाया जाता है तो वैश्विक स्तर पर महंगाई और बढ़ेगी। इस कारण अमेरिकी फेडरल बैंक को अपनी ब्याज दर उच्च रखनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि तेल की कीमत प्रति बैरल 100 डॉलर तक बढ़ जाएगी। अमेरिका के फैसले का नकारात्मक असर पूरे विश्व पर पड़ेगा।

अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब तक सांसद आपसी सहमति पर नहीं पहुंचते, सरकार बंद रहेगी – और देश इंतज़ार करता रहेगा– चिंतित, बिना वेतन और बढ़ती हताशा के साथ।

'भारतीय कंपनियां "क्रोनीइज़्म" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिखा है, कोलंबिया में बजाज, हीरो और टीवीएस को इतनी सफलता हासिल करते देखना गर्व की बात है। यह दिखाता है कि भारतीय कंपनियां नवाचार से जीत सकती हैं, न कि भाई-भतीजावाद से। बेहतरीन कार्य।"

मेडलिन, कोलम्बिया की ईआईए यूनिवर्सिटी में आयोजित "द फ्यूचर इज़ टुडे" नामक सेमिनार में बोलते हुए, राहुल गांधी ने पूरे आर्थिक ढांचे को तीन-चार कंपनियों के हाथों सौंपे जाने की आलोचना की।

इस लैटिन अमेरिकन देश में श्रोताओं से खचाखच भरे हॉल में आयोजित सेमिनार के दौरान राहुल गांधी द्वारा छात्रों से पूछे गए एक सवाल – जब मोटरसाइकिल का वज़न 100 किलोग्राम होता है, तो कार का वजन 3,000 किलोग्राम क्यों होता है?" ने भारतीय जनता पार्टी को चौंका दिया। भाजपा की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इसे "बकवास" बताया।

हालाँकि राहुल गांधी ने एनविगेडो, कोलम्बिया की ईआईए यूनिवर्सिटी के छात्रों के समक्ष यह सवाल रखा, तो उनका उद्देश्य छात्रों को यह समझाना था कि सत्ता का केंद्रीकरण गलत क्यों है तथा विकेंद्रीकरण भविष्य वास्तविक का रास्ता क्यों है। अपने प्रश्न के माध्यम से वे सत्ता के स्वरूप पर अपने विचार साझा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान इलेक्ट्रिक मोबिलिटी है।

उन्होंने कहा कि दोनों के वज़न के अन्तर का कारण उनके इंजनों में छिपा है। "कार भारी होती है, क्योंकि उसका इंजन हादसे के वक्त अंदर की ओर धकेलता है और जानलेवा हो सकता है, जबकि मोटरसाइकिल का इंजन हल्का होता है और टक्कर में अलग हो जाता है, जिससे नुकसान कम होता है। यही कारण है कि मोटरसाइकिल हल्की होती है।" उन्होंने कहा, "जब मोटरसाइकिल की टक्कर होती है, तो इंजन आपसे अलग रहता है, इसलिये आपको चोट नहीं पहुंचाता। जब कार की टक्कर होती है, तो इंजन कार के अंदर आ सकता है। इसलिये कार को इस तरह डिजायन किया जाता है कि इंजन अन्दर नहीं आ सके तथा आप बच जायें।"

उन्होंने कहा कि कार की इस समस्या का समाधान "इलेक्ट्रिक मोबिलिटी" में है। "इलेक्ट्रिक मोटर पारंपरिक इंजन जैसी केंद्रीकृत ऊर्जा प्रणाली को तोड़ती है। यह आपको मोटर को अलग-अलग जगहों पर लगाने की अनुमति देती है, इस प्रकार इलेक्ट्रिक मोटर एक प्रकार से सत्ता का विकेन्द्रीकरण है।

राहुल गांधी ने यह स्पष्ट किया कि यह सिर्फ एक तकनीकी उदाहरण नहीं है, बल्कि एक राजनीतिक विचार है, राजनीतिक सत्ता का विकेंद्रीकरण। लेकिन सत्तारुढ़ दल ने इसे एक गूढ़ राजनैतिक टिप्पणी के रुप में लिया, तथा राहुल की इस टिप्पणी को उनके फरवरी के नागालैंड वाले भाषण का आगे का सोपान बताया। नागालैंड में बोलते हुये भी राहुल ने यही कहा था कि भारत जैसे विविधता भरे देश में सत्ता का विकेंद्रीकरण अनिवार्य है।

उन्होंने कहा था: "पारंपरिक इंजन केंद्रीकृत ऊर्जा स्त्रोत होते हैं, लेकिन इलेक्ट्रिक वाहन विकेंद्रीकृत होते हैं – बैटरी और मोटर पूरे डिजाइन को नया रुप देते हैं।" नागालैंड में विद्यार्थियों से बात करते हुये राहुल गांधी ने कहा था कि सत्ता के विकेन्द्रीकरण से हर चीज बदल जायेगी, अर्थव्यवस्था से लेकर राजनीति तक, सब कुछ बदल जायेगा।

भारत और चीन की तुलना करते हुए, राहुल गांधी ने कहा: "भारत की प्रणाली चीन से कहीं अधिक जटिल है और भारत की ताकतें चीन से बिल्कुल अलग हैं। भारत की एक समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा और विचार प्रणाली है, तथा भारत परम्परा एवं वैचारिकता के मामले में विश्व को बहुत कुछ देने की स्थिति में है।"

उन्होंने यह भी कहा: "मैं भारत को लेकर बहुत आशावादी हूं, लेकिन भारतीय व्यवस्था के भीतर कुछ गहरी दरारें हैं, जिन्हें दूर करना होगा। सबसे बड़ा खतरा है – भारत में लोकतंत्र पर हो रहा हमला।"

राहुल गांधी ने आगे कहा: "भारत कई धर्मों, भाषाओं और परंपराओं का देश है। भारत दरअसल, एक सतत संवाद है अपने लोगों के बीच। इन विविधताओं को उनका समुचित स्थान देना आवश्यक है और इसका सबसे अच्छा तरीका है लोकतांत्रिक व्यवस्था।" राहुल ने कहा, "इस समय भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर जबरदस्त हमला हो रहा है। यह एक बड़ा खतरा है। दूसरा संकट विभिन्न प्रकार की अवधारणाओं का है। भारत में 16-17 प्रमुख भाषाएं हैं, कई धर्म हैं। इन सबको फूलने-फलने दीजिये। भारत में यह बहुत जरुरी है कि विभिन्न परम्पराएं अभिव्यक्ति के अवसर पा सकें। हम चीन की तरह लोगों को दबाकर केन्द्रीयकृत प्रणाली नहीं चला सकते। "हमारे देश की सामाजिक संरचना उसे स्वीकार ही नहीं करेगी।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908